मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

कुलपति महोदय का संदेश

डॉ रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के उच्च कृषि शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र मे उत्कृष्टता हेतु दिए जा रहे सम्मानों की श्रृंखला में एक और उपलब्धि जुड़ी जब भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अंतर्गत इंडिया पोस्ट ने 24 फरवरी 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सुखेत मॉडल पर फर्स्ट डे कवर और डाक टिकट जारी किया। मेरी अपनी अकादमिक एवं अनुसंधान यात्रा जो वर्ष 1977 में शुरू हो कर 1 फरवरी 2022 को 45 साल पूर्ण कर रही है को जब मैं देखता हूं तो यह वास्तव में मुझे बहुत ही सुखद और संतोषजनक प्रतीत होती है। ईश्वर की कृपा से ये सभी वर्ष बहुत ही उपयोगी और अकादमिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रहे हैं। अपने विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग से अब मैं और अधिक उत्साह एवं तत्परता के साथ अपने देशवासियों और कृषक समुदाय की सेवा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।

हाल ही में, विश्वविद्यालय ने खादी संस्थान आशानुरूप लोक सेवा संस्थान, पटना के साथ केले के फाइबर उत्पाद, मशरूम उत्पादों, गुड़ और शहद, हर्बल गुलाल और अरहर के डंठल से बने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्पादों के विपणन के लिए विपणन भागीदार के रूप में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन किए गए कृषि उपकरणों के निर्माण के लिए निर्माताओं के साथ छह और समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

मुझे विश्वास है कि ये समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्पादों के लिए अधिक दृश्यता लाएंगे और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड बनाने का मार्ग प्रशस्त करेंगे ।

पुनः, मैं विश्वविद्यालय के शिक्षकों/वैज्ञानिकों और कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय को दी जा रही उनकी अथक सेवाओं तथा सम्मान हेतु बधाई देता हूं।

खंड -3, अंक -3
मार्च, 2022

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :
डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु. पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क : www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.02.2022 को कृषि जागरण, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भारत की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कृषि पर ध्यान" के संबंध में पोस्ट बजट (2022-23) चर्चा में भाग लिया।
- दिनांक 03.02.2022 को विश्वविद्यालय के उत्पादों के विपणन के लिए रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और खादी संस्थान, पटना के साथ समझौता ज्ञापन के हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 08.02.2022 को छह समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया जिसमे पावर धान वीडर हेतु बीसीएस लुधियाना, परामर्श परियोजना हेतु पीसीआई, पुनः परामर्श परियोजना हेतु मुकुंद एग्रीटेक, बहु फसल बीजक के लिए मां दुर्गा पंडौल, इलेक्ट्रिक मोटर और मूसल के लिए बिनोद इंजीनियरिंग और तारो प्लांटर के लिए कुशवाहा एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- दिनांक 10.02.2022 को हाजीपुर (वैशाली) में केला फाइबर निष्कर्षण इकाई का उद्घाटन किया।
- दिनांक 11.02.2022 को "कृषि के माध्यम से रोजगार के अवसर" पर टीवी-9 चैनल के लाइव साक्षात्कार में भाग लिया।
- दिनांक 11.02.2022 को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के संबंध में ज़ी-न्यूज़ के साथ साक्षात्कार में शामिल हुए।
- दिनांक 15.02.2022 को स्नातकोत्तर सामाजिक कार्य विभाग, श्री सबरीसा कॉलेज, केरल द्वारा आयोजित "भारत में जलवायु परिवर्तन" के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्चुअल मोड में "जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली फसल प्रौद्योगिकी विकास की चुनौतियां" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

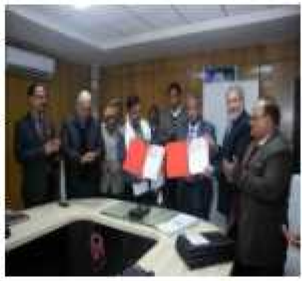

- दिनांक 18.02.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के प्रबंधन बोर्ड की 17वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 21.02.2022 को विद्यापति सभागार मे आयोजित "आत्मनिर्भर बिहार, समस्तीपुर की बात" शीर्षक पर ज़ी न्यूज़ के लाइव कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 23.02.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से राष्ट्रीय उच्च शिक्षा परियोजना की 8वीं परियोजना निगरानी समिति बैठक (पीएमसी) में भाग लिया।
- दिनांक दिनांक 24.02.2022 को महामना पंडित मदन मोहन मालवीय डाक सांस्कृतिक केंद्र, पटना में बिहार के माननीय राज्यपाल द्वारा सुखेत मॉडल पर पोस्टल लिफाफा (प्रथम दिवस कवर) के विमोचन में भाग लिया।

- दिनांक 25.02.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र पिपराकोठी में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की गतिविधियों की श्रृंखला में कृषि ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया स्प्रे के लाइव प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 26.02.2022 को मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर) के 9वें उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- दिनांक 26.02.2022 को विद्यापति सभागार, पूसा में नेहरू युवा केंद्र, समस्तीपुर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जिला युवा सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 26.02.2022 को पचतंत्र सभागार , रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में पटना-अटारी के तहत बिहार-झारखंड के.वी.के के गृह विज्ञान एस.एम.एस. के रिफ्रेशर पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां

- डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने 07-11 फरवरी, 2022 तक राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की में एनएचपी के तहत "तलछट उपज और जलाशय अवसादन" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वर्चुअल मोड मे व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण में कार्यक्रम में उन्होंने "मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने के लिए वाटरशेड प्रबंधन तकनीक" पर प्रकाश डाला।
- मत्स्य विज्ञान में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. के लिए प्रवेश इस महीने में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- डॉ. एस. के. नायक ने दिनांक 17/01/2022 से 21/02/2022 तक वनस्पति विज्ञान विभाग जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मोड में जैविक डेटा के सांख्यिकीय विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. प्रवेश कुमार ने सर सैयद कॉलेज, तालीपरम्बा, कन्नूर, केरल, भारत द्वारा 15 से 26 फरवरी, 2022 तक "रिसर्च मेथडोलॉजी एकेडमिक राइटिंग एंड पब्लिशिंग" पर दो सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने 10 से 14 फरवरी, 2022 तक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक जुड़ाव के लिए सुविधा" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भी भाग लिया।

- दिनांक 05 फरवरी, 2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और उसके तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली परिसर के सभी संकायों और कर्मचारियों ने निदेशक शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया।.

- प्रसार शिक्षा विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने महाविद्यालय में 15.02.22 से 22.02.22 तक रावे (RAWE) और एग्रो इंडस्ट्रियल अटैचमेंट (एआईए) के तहत 8वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।.

- तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छात्र प्रकोष्ठ ने नव प्रवेशित स्नातक (बैच 2021-25) के छात्रों के लिए अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली की अध्यक्षता में एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। समस्त वार्डन एवं छात्रावास अधीक्षक, प्रभारी अधिकारी एवं विद्यार्थी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

- पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली द्वारा 28/02/2022 को डॉ. अजय कुमार सिंह, पी.आई., एम.यु.एल.एल.ए.आर.पि. का विदाई समारोह आयोजित किया गया । उनके शोध एवं अकादमिक उपलब्धियों के लिए अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और सेवानिवृत्ति के बाद उनके सुखद जीवन की कामना की।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- **निगरानी दल ने आलू केंद्र, ढोली पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना का दौरा किया**

डॉ. अनिर्बान सरकार (कीट विज्ञानी, बी.सी.के.वी, कल्याणी) के नेतृत्व में भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, आलू निगरानी दल ने 9 फरवरी, 2022 को ढोली केंद्र का दौरा किया और अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना ट्रेल्स, स्टेशन कार्यक्रम और एफ.एल.डी. की निगरानी की। दौरे के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के सभी आलू वैज्ञानिक मौजूद रहे।

- **मक्का पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा आयोजित फील्ड-डे और किसान गोष्ठी आयोजित**

मक्का पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना,तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने 18 फरवरी 2022 को मुजफ्फरपुर जिले के भुसरा गांव में फील्ड डे और किसान गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ने की जिसमे मक्का पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना से जुड़े वैज्ञानिक मौजूद रहे।

- **मक्का पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-बीज वितरण कार्यक्रम** - पश्चिम चंपारण के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थित लक्ष्मीपुर, वाल्मीकि नगर एवं बेतिया में 24 से 26 फरवरी 2021 तक जनजातीय उप-योजना के तहत मक्का के भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना , तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । उपरोक्त कार्यक्रम में लगभग 75 किसानों ने भाग लिया। जिला कृषि अधिकारी, बेतिया ने समापन समारोह में भाग लिया और "ग्रीष्मकालीन मक्का की खेती तकनीक" पर एक तकनीकी बुलेटिन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लाभार्थियों के बीच ग्रीष्मकालीन मक्का बीज, कीटनाशक के साथ-साथ जैव उर्वरक जैसे आदानों का वितरण किया गया।

> **गणमान्य व्यक्तियों का कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा का भ्रमण**

मुजफ्फरपुर के आयुक्त, श्री योगेंद्र सिंह और समस्तीपुर के जिलाधिकारी के साथ माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा ने कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को देखने के लिए 2 फरवरी, 2022 को कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का दौरा किया।

> **गणमान्य व्यक्तियों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय पीपराकोठी, पश्चिम चंपारण का भ्रमण**

माननीय कुलपति ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय पीपराकोठी का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की। महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने परिसर के बारे में जानकारी देते हुए माननीय कुलपति के समक्ष कुछ आवश्यक मांगें रखी । कुलपति महोदय ने भी अपने विचार साझा करते हुए अधिष्ठाता जी को वर्तमान परिस्थितियों और सुविधाओं के तहत अच्छा प्रदर्शन करने का सुझाव दिया और जल्द ही परिसर के पुस्तकालय में पुस्तकें और इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। दिनांक 25 फरवरी 2022 को उक्त महाविद्यालय का भ्रमण माननीय संसद सदस्य, श्री राधा मोहन सिंह, बिहार के माननीय गन्ना उद्योग मंत्री एवं कानून मंत्री श्री प्रमोद कुमार और स्थानीय राजनीतिक सदस्यों ने भी किया और सेब (कम द्रुतशीतन किस्म)और विलो क्लोन के पौधे लगाए।

> **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा मछली के बीज का प्रजनन, उत्पादन और वितरण**

विश्वविद्यालय प्रायोजित अनुसंधान परियोजना के तहत पहली बार मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में अमूर कार्प (साइप्रिनस कार्पियो हेमेटोप्टेरस) का प्रजनन, बीज उत्पादन और वितरण किया गया है। किसानों को उनके तालाब में पालने हेतु बीज वितरित भी किए गए।

> **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में प्रशिक्षण आयोजित**

एससी-एसपी योजना के तहत दिनांक 8 से 10 फरवरी 2022 के दौरान "मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के बीच उद्यमिता विकास" पर भ.कृ.अनु.प. -केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.एफ.टी), कोचीन के सहयोग से मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे दरभंगा जिले की बीस महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं के प्रशिक्षण लिए विभिन्न मूल्य वर्धित बैटर-ब्रेड उत्पादों के साथ मछली अचार और मछली कटलेट के प्रसंस्करण, तैयारी, भंडारण विधियों का भी प्रदर्शन किया गया।.

प्रसार गतिविधियाँ

> **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** ने 10 फरवरी, 2022 को "विश्व दलहन दिवस" मनाया, जिसका विषय "स्थायी कृषि-खाद्य प्रणाली प्राप्त करने में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए दलहन" था। इस अवसर पर गोष्ठी-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों और छात्रों को घरेलू खाद्य सुरक्षा बनाए रखने और आर्थिक स्थिरता बनाने के लिए दलहन फसलों के महत्व के बारे में जागरूक करना था। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ आर. पी. सिंह ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और पारिस्थितिकी तंत्र की समग्र स्थिरता के साथ-साथ मिट्टी और मानव स्वास्थ्य के लिए दालों के महत्व के बारे में चर्चा की। उन्होंने मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करके जलवायु परिवर्तन शमन में दालों के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि श्री विकास सिंह, बीएचओ, नरकटियागंज ने दैनिक आहार में दालों की खपत को शामिल करने का आग्रह किया और दालों को फसल प्रणाली में शामिल करने पर जोर दिया ताकि न केवल मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हो, बल्कि अगली फसल के लिए नाइट्रोजन की आवश्यकता को भी कम किया जा सके। इस आयोजन में 140 किसानों और छात्रों सहित कुल 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया।.

> **जलवायु अनुकूल कृषि परियोजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र नरकटियागंज के परिसर में** कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज और माधोपुर द्वारा संयुक्त रूप से शैक्षिक-सह-प्रदर्शन यात्रा-कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मगध चीनी मिल, नरकटियागंज के उपाध्यक्ष डॉ पी. के. गुप्ता ने किया। डॉ गुप्ता ने दोहराया कि किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को पूरा करने के लिए इंटरक्रॉपिंग के साथ गन्ने की फसल सबसे अच्छा विकल्प है। डॉ आरपी सिंह, डॉ एसके गंगवार, डॉ डीके तिवारी और श्री ज्ञान शुक्ल ने किसानों के साथ कृषि उपकरणों, विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बीजों को उनकी विशेषता की प्रदर्शनी के साथ केंद्र में फसल कैफेटेरिया और विभिन्न इकाइयों की स्थापना का दौरा किया । इफको के क्षेत्र प्रभारी श्री बृजेश यादव ने भी शैक्षिक-सह-प्रदर्शन यात्रा-कृषि प्रौद्योगिकी में भाग लिया और उर्वरक लागत को कम करने के लिए फसलों में नैनो-उर्वरक को अपनाने पर जोर दिया। प्रगतिशील किसानों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए केवीके का आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में 140 किसानों ने भाग लिया।

- **कुक्कुट उत्पादन" और "पशु उत्पादन-** कुक्कुट उत्पादन पर दो कौशल विकास प्रशिक्षण" 15 से 17 फरवरी, 2022 तक और "मवेशी उत्पादन" 21 से 23 फरवरी, 2022 तक कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज में आयोजित किया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में 40 किसानों ने भाग लिया।.

गोपालगंज 19-02-2022
सासामुसा में मुर्गी पालन के प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षुओं दिया गया प्रमाण पत्र

गोपालगंज 11-02-2022
सासामुसा में विश्व दाल दिवस पर केवीके में कृषक संगोष्ठी आयोजित

- **विश्व दलहन दिवस** - प्रोटीन कुपोषण को दूर करने में दालों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ पौष्टिक थाली में विविध दालों द्वारा प्रदान किए जाने वाले पोषण के लिए, विश्व दलहन दिवस 10 फरवरी, 2022 को केवीके, गोपालगंज में मनाया गया। प्रतिभागियों को समूह चर्चा और समूह कार्य सौंपे गए।
- **वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन**-कृषि विज्ञान केन्द्र, शिवहर द्वारा वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तीस प्रगतिशील प्रतिभागियों ने अपनी कृषि आय को दोगुना करने का लाभ प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म स्तर पर विशेषज्ञता हासिल की है।

गोपालगंज 24-02-2022
कृषि विज्ञान केंद्र के तिलहन क्लस्टर के वैज्ञानिकों ने फसलों का किया निरीक्षण

- **डॉ. मान सिंह, निदेशक, चावल विकास निदेशालय, पटना का दौरा** - नारायणपुर और खुटवानिया के कृषक समूहों में सीएफएलडी तिलहन की निगरानी के लिए केवीके, गोपालगंज के अधिकारियों की एक टीम, चावल निदेशालय, पटना के निदेशक, डॉ मान सिंह के साथ इन कृषक समूहों का दौरा किया । निदेशक ने इन समूहों के किसानों के साथ बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया ली ।
- **उर्वरक जागरूकता कार्यक्रम** - परंपरागत कृषि विकास परियोजना के तहत अनाज, दलहन और बागवानी फसल में पोषक तत्व प्रबंधन पर दो उर्वरकजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 95 किसान लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण के साथ-साथ घुलनशील एनपीके (20:20:20) उर्वरक और बोरॉन (अलोबोर 20%) इनपुट रबी सीजन के दौरान दानेदार उर्वरकों की कमी के दौरान किसानों के बीच वितरित किया गया।

- **सी.आर.ए –** सी.आर.ए कार्यक्रम के तहत 5 ग्राम चयनित किसानों के बीच गेहूं की फसल में सभी प्रकार के खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए गेहूं के बीज की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए खरपतवारनाशी इनपुट वितरित किया गया।

पुरस्कार, खेल इत्यादि गतिविधियाँ

- **उप निदेशक कृषि अभियांत्रिकी के साथ बैठक**
  डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने अभियंता एन.के. लोहानी, उप निदेशक कृषि अभियांत्रिकी, सहरसा और सहरसा कमिश्नरी के कृषि अभियंताओं के साथ 10 फरवरी, 2022 को, एक इंटरफेस बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में कस्टम हायरिंग सेवाओं को नियमित और सुदृढ करना था। अधिष्ठाता एवं कृषि-अभियंता ने कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के साथ इंटरफेस बैठक में ग्रामीण स्तर पर कस्टम हायरिंग सेवाओं के संचालन के लिए कृषक युवाओं को कुशल बनाने पर जोर दिया गया।

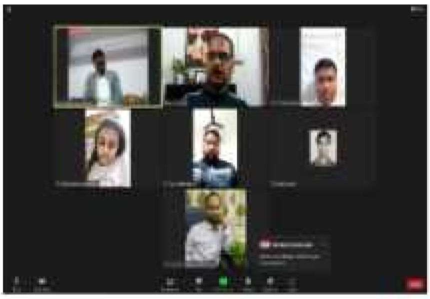

- **कृषि मशीनरी और ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय**, पूसा ने 17 फरवरी, 2022 को महिंद्रा एंड महिंद्रा ट्रैक्टर्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में महिंद्रा एंड महिंद्रा ट्रैक्टर्स के कौशल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के उद्देश्य से आयोजित की गई ।
- **डीडी-किसान पर टीवी-टॉक**- डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने डीडी-किसान पर टीवी-टॉक दिया जिसका प्रमुख विषय "कुशल सिंचाई प्रबंधन" था।

वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद- गुप्तनाथ त्रिवेदी एवं डॉ. राकेश मणि शर्मा